



रत्नचुवि
रक्षी ब्रह्मेश्वर्यो नमः॥ रसनश्चतीनमः॥ यूजाय वल्लिंश्चं सरू निरुनमुत्॥



१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ गुह्यं श्रीपूजाविधिः ॥ ॐ नमो नमस्तुभ्यं ॥ यथा
राजनया चक ॥ अथादिवा ॥ दयसा नादि ॥ चंदन, सिंदूर, कज्जल, नाना
व्यादि ॥ आचार्यनि, गुप्ता नमस्कान् कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
गुप्ता दूर्वायुजायामि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
विष्णुका कृष्णाय नमः ॥ अथादिवा ॥ दयसा नादि ॥ चंदन, सिंदूर, कज्जल, नाना
॥ वज्री कवच ॥ चलमकुलं कलमचलं कूर्कं रुद्रं स्वाहा ॥ दममिहान ॥ ॥

॥ या शम न्या सः ॥ उँ ऊँ कि नि र वि वं का क म ड ॥ अ स्ता य त्या दि ॥ ॥ उँ ऊँ ड ॥ अ स्ता
य रु द ॥ त्या दि ॥ उँ ऊँ रं मि रा स्ता न या दू की ॥ उँ ऊँ सं मि त स्ता न या दू की ॥ उँ ऊँ दं ल
ला ट या दू की ॥ उँ ऊँ मं व का ये या दू की ॥ उँ ऊँ लं द द थ या दू की ॥ उँ ऊँ वं ना लो या दू की
॥ उँ ऊँ तं तु म्भ या दू की ॥ उँ ऊँ यं जा नो या दू की ॥ उँ ऊँ उँ उँ या द द थ या दू की ॥ ॥ ॥
॥ उँ ऊँ दं अन न य ॥ मि या द द थ या दू की ॥ या ० नि गु मिः ॥
उँ ऊँ रं का ल य मि गु र्द द थ या दू की ॥ गु मि नि तु मि स ॥ उँ ऊँ रं दं द थ मि उँ

थे द थ या दू की ॥ य मि नि या स ॥ उँ ऊँ रं ऊँ द थ मि उँ उँ द थ या दू की ॥ ख ल नि या स ॥
॥ उँ ऊँ दू मं यो मि क टि द थ या दू की ॥ क ल र्क ल नि र्थी ॥ उँ ऊँ दू का म य मि लि ग
स्था र थ या दू की ॥ लि ग स ॥ उँ ऊँ रं धि धु मि म रु स्ता न या दू की ॥ ग र्क या का स ॥ उँ ऊँ
दू व द्म मि व द्म स्ता न या दू की ॥ ग र्क व अन व स ॥ उँ ऊँ दू सूर्य मि ना लो र्थी
या दू की ॥ ग र्क स ॥ उँ ऊँ दू सा म य मि ना लो र्थी या दू की ॥ ग र्क न थ ॥ उँ ऊँ रं प्रा ण य
मि उँ द थ या दू की ॥ या थ स ॥ उँ ऊँ रं जी व य मि द्द थ या थ या दू की ॥ नृ ग उ स ॥ उँ ऊँ

ॐ विष्णु गणेश कृष्णाय नमः ॥ कंथूस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ थकस ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथालस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखि स्नाने यादुकां ॥ वसथावस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ददय यादुकां ॥ यानि नियास ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नियास ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कलव कस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स्वाययु यादुकां ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रुस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नम्यउस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कंथूस ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वययु यादुकां ॥ स्वययु यादुकां ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नामयु यादुकां ॥ नामयु यादुकां ॥ नामयु यादुकां ॥ नामयु यादुकां ॥ नामयु यादुकां ॥
यकथु यादुकां ॥ कसयानि नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यादुकां ॥ मिरानियास ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

समृद्धा ॥ उँ ज च न पा इ का ॥ उँ ज ङी ऊ क न पा इ का ॥ उँ ज ङी वी न र स पा इ का ॥
॥ उँ ज ङी स र्व उ न मा रु नी पा इ का ॥ उँ ज ङी यू र्व पा इ का ॥ उँ ज ङी या इ का ॥
॥ ॥ मालनीय ॥ ०७ ॥ ॥ य प्र वलि ॥ उँ ज म यू न सा य पा इ का ॥ उँ ज
द वी य र व द क ना थ य म रु क यिल ज नो रा न रा सु न रि न र का ला म र्व अ व
न न र उ क रिर ग व न म ल म र थ य थ य नि र व लि गृ द्वा वि र्थ द द
स म रू रू रू रु द्वा हा ॥ ॥ उँ ज न रा सा य पा इ का ॥ उँ ज ङी ह व र्का

ना धि क थ य थ ना म्र अ व न म ल म र थ अ व न म र व रु उ उ रि न र का य
य द्वा म र य ङी रु न क ल ल या म य म रु क याल माला र म म य वि यू का टि स
म य रा उ क रिर ग व न रै न व रू य म य र थ य य न व लि गृ द्वा र म म वि द्वा
का द य र द्वा ङी रू व लि गृ द्वा रू रु द्वा हा ॥ ॥ उँ ज सिं हा सा य पा इ का ॥
॥ उँ ज य क चि न थ मि नी नी पी ० जा द ए जा स रु जा था ग जा ग रु जा क ल जा
स रु जा य क चि थ मि नी नी श्व य नी रु य नी र म य नी उ का द नी द्वा द नी :

प्रा क नी य तु ४ य ५ य ६ स का र न वा क नी र्म रि उ ग द्रा स ना नं य ॥ य य नं
द न्ति गृ द्द र म म सि डिं के व नु दू रू द्द सा हा ॥ ॥ उं ज म हा य ता सा य वा
द का ॥ ॥ उं ज म म ग्री ति डि या म म्भु य व लि गृ द्द रू द्द रू द्द सा हा ॥ ॥
॥ उं ज म म स र्पु ना य वा द का ॥ ॥ उं ज म म ग्री गृ गं २ ॥ र्मे मी क ल ग (म
य वा य व लि गृ द्द रू द्द रू द्द सा हा ॥ आ वा रु ना दि य न न क न व र्च न
म ॥ ॥ त र्ज नी द धु या नि दि न्द ग उ म्भु द र्म य न् ॥ ॥ जा य ॥ र्मे म ॥

॥ र्मे मी ४ य र्मे म म लं ग ग न त ल दृ मं क र यं या गि नी ५ वा म्भु य धु रू या
द रि त र य रु ना वि द्दु हा नं ग (म म ॥ य व्वा र्मे म य दी या मि य म धु व लि रि च
वि तं र यि ता म्भु व क्क मं य उ का नां द द तु वि न स तु उ कि म्भु कि य दा मा ॥
॥ र्मे मी य ५ व लि ॥ ॥ ग्री र्म व र्क न आ वा रु न ॥ र्मे म आ वा र्क आ वा रु या मि ॥
॥ उं ज म्भु ज न न म लं र्मे मी आ दि दं य वा द का ॥ ॥ उं ज न ना सा य वा द का ॥
उं ज य व्क ल दी य द नु ना द वी ग्री ध न क र या ना य वा द का ॥ ॥ उं ज

तथा यं न वसं च यत्र यदा ॥ रुत कं धनं यामं च, ख द्वा इं सक समुत्तं ॥ मूल
मदल वी क्ष च, ग दार्हि चारु व के व ॥ मधु से व दू यित्वा तु, सि नू य मरी य
क्ष ॥ धन य द्य या दू की ॥ ॥ मूल म उं ह यो ह य ति का ॥ ॥ उं ज मुं श्री म हा रे
त्र वी मुं क्क म्ब यो य द्य म म य य मि न म ॥ उ वं, अ यं, स्ना ना व म नं, च न न, मि
दू न, य द्य ॥ ॥ उं क उं मुं श्री म हा रे व वी तु क्क म्ब वी र द्वा वि का य
वि या पु र लि य द्य या दू की ॥ ॥ उं ज मुं दू द या दि य त इ न दू जा ॥

॥ इति ॥

॥ उं ज हं सा स ना य या दू ॥ उं ज वृ क्षा स ना य या दू ॥ उं ज म य ना स ना य या दू ॥ उं ज ग त
ज स ना य या दू ॥ उं ज म हि मा स ना य या दू ॥ उं ज ग जा स ना य या दू ॥ उं ज पु ता
स ना य या दू ॥ उं ज सिं हा स ना य या दू ॥ ॥ उं ज अं वृ क्षा र्थे वि दू या दू की ॥ उं ज
कं मा रु म्ब वी वि दू या दू की ॥ उं ज वं की मा वी वि दू या दू की ॥ उं ज टं वे दू वी वि
दू या दू की ॥ उं ज नं वा ग दी वि दू या दू की ॥ उं ज यं दू द्रा य ती वि दू या दू की ॥
॥ उं ज यं दू मू ण वि दू या दू की ॥ उं ज स म ह ल क्षी वि दू या दू की ॥ ॥ इति

॥ जै जय श्याम ययायू ॥ जै जय कलश्याम ययायू ॥ जै जय कर्णिकार्याम ययायू ॥ जै जय सिंहा
 श्याम ययायू ॥ जै जय महिषाश्याम ययायू ॥ जै जय शृंगार्याम ययायू ॥ जै जय निशृंगार्याम यया
 यू ॥ जै जय मयासनाययायू ॥ जै जय सूर्याश्याम ययायू ॥ ॥ ध्यान ॥ नीलाञ्जनमहाते
 जं शिखरं च दिग्गवं ॥ मधुमालाधरं त्रोटं गजवन्मयगुह्यं ॥ ध्यानं
 यं नमः ॥ ॥ मूलमनुष्टुप् प्रत्ययतिष्ठा ॥ जै जय श्री यशुयति महात्महरे नमः
 ययं समस्त्यामि नमः ॥ जयं जयं स्नानं चन्दनं सिंदूरं अक्षतं ययं नमः ॥

[illegible]

साययाइ की ॥ जे जे डी दूँ दूँ डूँ डूँ डूँ नमः ॥ श्री सिद्धि लक्ष्मी देवी याइ की ॥
॥ जे जे खुँ सि या द वी याइ की ॥ जे जे खुँ र ग व ती द वी याइ की ॥ जे जे खुँ ना या द
वी याइ की ॥ जे जे खुँ रु डा द वी याइ की ॥ जे जे खुँ कि नि र द वी याइ की ॥
जे जे खुँ वि नाली द वी याइ की ॥ जे जे खुँ य म जि हा द वी याइ की ॥ जे जे
खे के क र्म ती द वी याइ की ॥ जे जे खुँ द टा द वी याइ की ॥ जे जे खुँ
जे जे नमः र ग व ती द वी याइ की ॥ जे जे खुँ उ लू की द वी याइ की ॥ जे जे

खे के कि नि द वी याइ की ॥ ॥ नमि सि लक्ष्मी देवी ॥ ॥ गता उग्र चक्षुः ॥
॥ जे जे मरि वा साययाइ की ॥ जे जे सि हा साययाइ की ॥ जे जे डी न ज प्र द
उग्र चक्षुः त्रिभुवन मर्दनी दूँ दूँ सदा न कर ली माँ हाँ सः ॥ एरु न याइ की ॥
॥ ॥ जे जे डी श्री नूत व लू द वी याइ की ॥ जे जे डी श्री प्र व लू द वी याइ की ॥
जे जे डी व लू द वी याइ की ॥ जे जे डी श्री व लू नायिका द वी याइ की ॥ जे
जे डी श्री व लू द वी याइ की ॥ जे जे डी श्री व लू व ती द वी याइ की ॥ जे जे डी

ये याद की दे का ॥ त्रं जं ऊं कूं नूं आ मय याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं सूं य मा य याद की ॥ त्रं जं
ऊं कूं नूं नै मया ये याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं वूं व नू म ये याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं यूं या य
ये याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं सूं क व मा ये याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं दूं नू म ना ये याद की ॥
॥ त्रं जं ऊं कूं जूं जूं जूं ये याद की ॥ त्रं जं ऊं कूं उं उं उं ये याद की ॥ उर्व वलि
॥ मूलन गिया फुलि ॥ ॥ वलि ॥ त्रं जं ऊं कूं कूं दूं दूं दूं दूं दूं नी ल जि म ग
सं का म या न दं सार या न क उ ड क म स न का क क उ या ल र का द न । स

वियिद्या प्रा मय र वलि गृ ह र स्या द ॥ ॥ समय वलि द या ॥ त्रं जं स व
दी ॥ अ य वी ध नि दा ना य दा न म व व ॥ क ला य क उ सं दा रु स व दि गु म
सं मि ता ॥ या गि नी या ग वी न दा ॥ स व ग उ स मा ग ग ॥ दं दं दं दं दं दं दं दं दं
श्री ना थ व न दा म म ॥ य र क्ता सा स न द वी गु नू व दा उ न न ग ॥ स व सि दि
यु सा दा म द वि न र्था र व स दा । वी वा र्म या गि नी ना च य वि व नि म दी ग ल ॥
न न श न म्य लि न द वी स म या चाल म ल क । मृ ति स्मृ ति म नू य वि र्मा स म दा

स्मि जीविनं । नि कृतं उ मुद्र सानां । यागिनी गव ह संकलं । कृद्र कादि कस्य प्रा
 दि दूर्निमिल दरायिता । नि कृतं य मुद्र सानां । यागिनी गव ह संकलं ॥ उ का
 नादि य ययी ० मुयमाला य काकिता ॥ उ य धी ध पु र्म द हा द ग ॥ सु वि
 द ॥ सु च । म ही यां ल उ का ॥ उ । स र्ज स्ताना न न व व ॥ यागिनी या ग य का
 सा । स ह्य नि ष तु सा ध का । दी व क र्म स वी य न्द्रा ॥ स ह्य नि ष तु नि द वे ना
 सा । स द्रा ष्व य उ का वा य्या । सा ध का कि ति सा यि न । ने ग य वा थ य म य

अ ग यां वा स वि द न । वा यी कृ यं क र्म वा । म म न मा र्म म ह्यु ल । ना ना नू य
 ध न य यि । व ट जा वि वि धा नि वा । न व स र्ज यि सं तु द्रा । व लिं गृ द्र तु म स द्रा
 ॥ स न म ग ना रं न यां । स र्ज म न र्म ल प्र दं ॥ प्राल र्द उ न य क र्म य क वि का
 मि य र्म नं ॥ व लि य य प्र दान न । स र्ज म म वि नि का ॥ स र्ज क र्म नि मि
 द्वि तु । स र्ज य य प्र सा नु म ॥ मि व म कि प्र सा दाम । कृ ला या न न मा म्य र्दं ॥
 ॥ र्म नि स म य य लि ॥ ॥ मूल म नु न रि या ऊ लि ॥ आ वा रु ना दि । या नि म्म डा ॥

॥ निष्कलिकाय ॥ त्वाकमहावलिनधूनक ॥ ॥ वलिमाला ॥ ॐ ऊँ कौं कण्ठयालाय
वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ वाँ वदु काय वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ मँ मक्षयतय
वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ हँ महाकालाय वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ झूँ श्री सि
द्धि या मूढु ये वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ कनवीन म्मनाय वलिं गृह्ण र
स्वाहा ॥ ॐ ऊँ आकाम चात्रिणी वायुयी १० वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ सर्वथा
दवथा वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ ऊँ सर्वथा हनथा वलिं गृह्ण र स्वाहा ॥ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गरुलगा मूल॥ उं जनात्रिकलं वर्य कूत्रे तामूलं यत्र मंगला॥ अम्यदाति म्यजाम्नीत्र रु
लार्यं युतिगु अर्गा॥ उं दं रुल यस्याममूलं धूपदीपनेव द्यादि संकल्प उय र्थे कर्मा॥
॥ अरु गक्षदि॥ अत्र संकल्प इ छि ड म सु॥ जल धाराया॥ ॥ यावद्वा रा स न स्थ
त्यादि॥ ॥ जाय॥ उं ज कां स्वाहा॥ उं ज प्रीं दी स्वाहा॥ उं ज र ग्ने स्वाहा॥ उं ज द्यौं सु स्वा
हा॥ ॥ विसव रि र्यां जलिन कार्या जाय॥ ॥ मधुल साय॥ श्री संवली॥ शिद वया॥
मदामा या॥ उं नमा गु अ म्य र्थे॥ ॥ अजायू कादि विरभ्य सगद्य विवृ त र्थे ० न

याल मरध्व गरुल सा गु अ क नीय गु यति सूत्र ग र्थे व वी म रु य का॥ वो द्वा द्या द र्म
ना नी यत्र म दा स्व स मा रा यु सि द्वा॥ वृ द्वा ध्व या निगी र्गे ग त यति वृ द्वा के ४ र्थे
गार्त्त न मा मि॥ गु अ नीय द्र स स्का म नि व द न ध ग ला कि का स ड सा रा॥ अ द्वा रु
रु द्वि त क्षाल सिख ग मृ ति क व ड क रुं स व डं॥ द क द्य ध्व व र्थे द न गि रु ल
ध न ४ या म ख द्वा ड क धी मूल मो अ र्थ वी ध र य म यि च रु अ र्ग स दा या म रु
म॥ गु अ ध्व वी म दा रा र्ग नि र्थ य मृ यति व ना॥ न या ल सा स दा नी मि र य

ध्यानात् काविणी॥ कामाख्या यत्र दायी नीलयवर्गया मिनी॥ सा दयी कुम
 री सा गा यानि मूढ नमस्तुते॥ यो ह्यनामा यतिना यो यम सिरगदगी
 म्भुवानीति वाख्या चक्राक्षकोलिकानी दगसकलविद्यत्यदिनी
 सङ्गनानी॥ गयणी वेदि कानी युक्तिविमिति सदा विष्णुता सा रथ कानी
 सूर्य वाशिष्ठ दवी वक्रविधि रूल दायी इग्निलमव॥ काथनवाचा
 मनसि यैर्वा दृष्टा त्मना वा युक्ति सखा वा॥ कथामियत्सकल

गी२

पुत्रस्य गुणं ध्वनी दवी समर्थयामि॥ ॥॥ कालि सिद्धिलक्ष्मी उग्रवस्त्रा वि
 पूत्रया शैत्रयया स्कारु याय॥ बुद्धा के मलद्वयादि॥ ॥ॐ नमः श्रीगुण
 ध्वये॥ ॥ सुदुत वाच॥ धृत्वा जिव मूखाद नना स्ना मस्तु सदमुक्ती॥ पुनः
 पृथगमदा दया मया चकल॥ म्भुव॥ दवदवमदादव बुद्धिमस्तु
 मूलम॥ गुणं ध्वयमिहाराग॥ म्भुमिहामितत्वेन॥ ॥ श्रीगुणध्वज उ
 वाच॥ गृह्यत्समदाय ह्य गुणं ध्वयमिहादिनी॥ सर्वयाय हर्षयर्थ

नाम्नामस्तुतुर्नमः ॥ सुवित्रस्यस्ययं वृद्धः ॥ अथागच्छसि सवया ॥ मुञ्च
मीदवतावीर्जं ॐ नमः कोलकंगथा ॥ गुह्यासिनीमकिमु विनियोगं तु
किर्तिनः ॥ ॐ गुह्यवी गुह्यमागा गुह्या गुह्या हिनाजिनी ॥ दयिदवस्य
दादवा दवगध्वसविता ॥ रात्री रासगीताया गव्यधित्यसंनि
रा ॥ कालिकलावतीकाना कमनीयाकजासना ॥ ऐववीरीषधरडा
रवानीरुतदयिनी ॥ यावगीयवगीरुताव गुह्यमागाग ॥ मध्वी ॥ चक्षु

कावलि कावलावतु मधुलवलिनी ॥ २॥ अथर्वय रायात्रमुखी विरिणी नयः
गालिनी ॥ ३॥ अथागच्छसि सवया ॥ गुह्यासिनीमकिमु विनियोगं तु
किर्तिनः ॥ ॐ गुह्यवी गुह्यमागा गुह्या गुह्या हिनाजिनी ॥ दयिदवस्य
दादवा दवगध्वसविता ॥ रात्री रासगीताया गव्यधित्यसंनि
रा ॥ कालिकलावतीकाना कमनीयाकजासना ॥ ऐववीरीषधरडा
रवानीरुतदयिनी ॥ यावगीयवगीरुताव गुह्यमागाग ॥ मध्वी ॥ चक्षु

मूदाकला ॥ १३ ॥ कामध्वनी काममाता कामदाकमलध्वनी ॥ वाधिकात्रसिकासावा
 सर्वकल्याणतृयिणी ॥ १४ ॥ नन्दारुगवति रुवाध्वनी धर्मवद्विनी वाचस्पतः
 कमालाद्या अमला अमलध्वनी ॥ १५ ॥ यूपचतुर्नित्री डातूडाणा तूडमाहिनी
 वाक्की वृद्धमयी वृद्धानन्दतृयानतृध्वनी ॥ १६ ॥ सावित्री लोभमाहे सायशमीव
 सनीवनी ॥ वाक्कीनी वृद्धनगानी वृद्धगयमलाचना ॥ १७ ॥ वाजिववातूवदनायुः
 कमण्डलवलिनी ॥ अक्षरुवगगनाम्रायुधध्वजा मरुमन ॥ १८ ॥ गमनिर्यय

यस्तनगवस्तहस्त्यकारिणी ॥ य २० दाया ० यदा विष्ट धूयादायिमानव ॥ १९ ॥ स
 र्वयायदुर्वयुधत्रयकार्थकथंचन ॥ य ४ य १० खानतूकायणी वारनियन ४ ३
 वि ॥ २० ॥ गुह्यध्वर्यायसादनवत्सनास्तकविह्वत ॥ २१ ॥ ॥ मिथ्याकंदय ॥ २२ ॥
 हिमवतुय ॥ गुह्यध्वनी अक्षरुवगगनामस्कारसमार्य ४ ॥ ॥ ॥
 अक्षरुवगगनामस्कार ॥ ॥ समयकृप ॥ दवस्कवलिसकृप ॥ गव्यनयाय ॥ ॥ गगा
 वृषिभूजा ॥ वायिसवगसिन्दूरअक्षरुवगगनामस्कार ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ यनमः ॥ ३ ॥ कलंय कायाव चापिसमावर्त ॥ ४ ॥ अस्माय रुट् ॥ ॥ धनवधुपू
 जा ॥ यधुदद्यात्संस्तुय ॥ यधुलंयनदाय ॥ वन्दनादिनगवर्क ॥ अकगपूष्य ॥ यू
 जय ॥ धूयदायनेवद्य ॥ स्मृ ॥ यधुमन्तुवनकुवद्रसयागसा ॥ गभयशी ॥ जिंयधुयाग
 यविद्वद्विष्यकस्मायधमदिननाजीवयचादयात् ॥ कलंय कायाव वाक्याय ॥ अया
 दि ॥ मूलायक ॥ स्थाय ॥ गिबक्याय ॥ स्मृ ॥ कृपयदयमाहमाया ॥ दवस्त्रिददिभगय ॥ अ
 रुगन्मादि ॥ वाकनक्याय ॥ नर्यययाय ॥ आचार्ययागददिभविद्य ॥ दवस्त्रिमाहनीमा

गभनक्याय ॥ अविश्वक ॥ यन्दनमिन्दुवमाहनीसरगान ॥ स्थायकाय ॥ समयविद्य ॥ न
 र्यययाय ॥ न्यासयाय ॥ बलिस्थाय ॥ सूर्यसाविधाय ॥ निगुयुधवावृजाविधिसमाय ॥
 सँ००५ मा नृगिबकुदगमिवृधवावथकृद्वसंपूर्णलिखितं कस्माचार्य ॥ ॐ ॥

ASHA ARCHIVES

आशा सस्कृति

1.024

ASHA ARCHIVES